शीतकालीन सत्र – 2017 के समापन अवसर पर माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

शुक्रवार 22 दिसम्बर, 2017

चतुर्थ विधान सभा का चौदहवॉ सत्र 19 दिसम्बर से 22 दिसम्बर के मध्य आहुत था । चतुर्थ विधान सभा के इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 6 महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए, जिसमें से 2 विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुए, साथ ही तृतीय अनुपूरक बजट पारित करने का महत्वपूर्ण कार्य संपादित हुआ। इस सत्र के आज अंतिम कार्यदिवस में प्रतिपक्ष द्वारा लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर महत्वपूर्ण और व्यापक चर्चा हुई । इस संदर्भ में मेरा यह मानना है कि **असहमति के मध्य सहमति की संभावनाओं को तलाशना ही संसदीय लोकतंत्र की विशिष्टता है।** सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी को अविश्वास के मध्य विश्वास को स्थापित करने के लिए बधाई देता हूं वहीं नेता प्रतिपक्ष एवं प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों को सकारात्मक प्रतिपक्ष की भूमिका के लिए हृदय से साधुवाद प्रेषित करता हूँ।

छत्तीसगढ़ राज्य की हमारी यह चतुर्थ विधान सभा शनैः शनैः अब अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है । आगामी बजट सत्र इस कार्यकाल का अंतिम बजट सत्र होगा । मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि सदन में आप माननीय सदस्यों के संसदीय कौशल में उत्तरोत्तर सुधार परिलक्षित हो रहा है और इसका सीधा लाभ इस प्रदेश की आम जनता को प्राप्त हो रहा है।

इस सत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी रही कि सदन की कार्यवाही निर्बाध गति से संचालित हुई। पक्ष–प्रतिपक्ष के आप माननीय सदस्यों ने चर्चा के विभिन्न माध्यमों से अविलंबनीय लोक महत्व के प्रत्येक विषय पर विस्तृत व्यापक और सारगर्भित चर्चा की। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन चर्चाओं से प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए मार्गदर्शी सिद्ध होंगे।

हमारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि आधारित राज्य है हमारी संपूर्ण व्यवस्थाओं का केन्द्र कृषि ही है। प्रदेश के किसान भाईयों की आवश्यकताओं और सुविधाओं के प्रति यह सदन अत्यन्त संवेदनशील रहा है तथा इस सत्र में कृषकों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय के संबंध में प्राप्त स्थगन प्रस्ताव को ग्राह्य कर चर्चा हुई ।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को अवगत कराने के उद्‌देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं, छात्र–छात्राओं, जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता सहित कुल 6620 लोगों ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया एवं ''हमर छत्तीसगढ़'' योजना के तहत इस सत्र में 1132 जनप्रतिनिधियों ने विधान सभा का भ्रमण किया।

इस सत्र में माननीय सदस्यों ने संदर्भ और पुस्तकालय शाखा से कुल 376 संदर्भ प्राप्त किये । यह आंकड़े सदन में होने वाली चर्चा के प्रति आपकी गंभीरता को प्रदर्शित करता है । इस अवसर पर मैं विशेष रूप से यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि इस सत्र अवधि में हमारी विधान सभा की वेबसाइट को लगभग 3950 लोगों ने देखा है ।

अब मैं आपको इस लघु शीतकालीन सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 4 बैठकों में लगभग 37 घंटे 35 मिनट चर्चा हुई । 4 बैठकों में 38 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 9 से अधिक प्रश्नों का रहा। इस सत्र में 296 तारांकित प्रश्न एवं 293 अतारांकित प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 589 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 199 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 35 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 6 सूचनाओं पर सदन में चर्चा हुई तथा 18 सूचनायें पढ़ी हुई मानी गई एवं 36 सूचनाएं नियम 267 'क' की सूचना के रूप में परिवर्तित हुई। इस सत्र में स्थगन प्रस्ताव की कुल 71 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 1 विषय से संबंधित 33 सूचनाओं पर प्रस्तुत स्थगन प्रस्ताव की सूचना को ग्राह्य कर चर्चा कराई गई । शून्यकाल की 52 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 37 सूचनाएं ग्राह्य और 15 सूचनाएं अग्राह्य रही। इस सत्र में 6 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत तृतीय अनुपूरक अनुमान पर 3 घंटे 50 मिनट चर्चा हुई।

मुझे सभा को यह भी जानकारी देना है कि आज सभा की कार्यवाही निर्बाध रूप से लगातार 21 घण्टे से अधिक चली जो अब तक की सबसे लम्बी बैठक है ।

आज इस सत्र का अंतिम कार्य दिवस है सत्र के निर्विघ्न सम्पन्न होने पर मैं आप सबको हृदय से बधाई देता हूं। सदन के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग के लिए मैं सर्वप्रथम सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी एवं माननीय सदस्यों को ह्रदय से धन्यवाद देता हूं।

मैं इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष सहित सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया।

मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं अन्य मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ ।

सत्र की पूर्णता के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधान सभा के सचिव सहित विधान सभा सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित किये जाने की परम्परा है। तद्नुसार आगामी सत्र फरवरी माह के प्रथम/द्वितीय सप्ताह में संभावित है।

हम सब छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृत संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ आप सभी को आगामी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं, आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ ।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ –

धन्यवाद

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़